अलोकिक गीतांजलि - 1

☐ अमृतवेला शुद्ध पवन है

अमृतवेला शुद्ध पवन है, मेरे लाडलो जागो (2)

अखियाँ खोलो, शिव-शिव बोलो (2)

बच्चों आलस त्यागो, मेरे लाडलो जागो

अमृतवेला शुद्ध पवन है मेरे लाडलो जागो···..

मुरली के स्वर मधुर मिले है,

मधुबन के भी फूल खिले है .....(2)

धरती जागी, अम्बर जागा.. (2)

तुम भी लाडलो जागो, मेरे लाडलो जागो

जागो ... जागो .... जागो ...

डाल डाल पर पंछी बोले,

कानो में अमृत रस घोले.....(2)

प्रभु मिलन का यही समय है... (2)

ब्रह्म मुहूर्त है जागो, मेरे लाडलो जागो

जागो ... जागो .... जागो ...

सोवत है सो खोवत है,

जागत है सो पावत है .....(2)

बाबा की प्यारी वाणी सुन

बाबा की मीठी वाणी सुन

प्यारे बच्चों जागो, मेरे लाडलो जागो

➢➢ अमृतवेला शुद्ध पवन है..

➳ _ ➳ अमृतवेला के समय याद करने से दिन भर पुरुषार्थ की गाडी स्वतः ही चलती रहती है

➳ _ ➳ इस समय जिसने रस चखा है... उसके आगे इस दुनिया के सभी रस फीके हैं...

➳ _ ➳ पूरे दिन भर की ऊर्जा आपको इसी समय से मिलेगी

➳ _ ➳ सर्व समस्याओं का हल आपको इसी समय प्राप्त होगा..

➢➢ मेरे लाडलो जागो..

➳ _ ➳ स्वयं को गलतियों से जगाना है...

➢➢ अखियाँ खोलो...

➳ _ ➳ स्वमान से तीसरे नेत्र को खोलो

➢➢ शिव-शिव बोलो

➳ _ ➳ स्वयं भगवान तुम्हे उठाने आया है...

➢➢ बच्चों आलस त्यागो

➳ _ ➳ 5 मिनट और सोने की इच्छा बहुत खतरनाक इच्छा है

→ अगर 3:30 बजे उठने वाला योगी एक दिन 3:45 बजे उठता है तो यह उसकी एक सूक्षम हार है...

➢➢ मुरली के स्वर मधुर मिले है,

➳ _ ➳ अनुभव कीजिये की मधुबन तपोभूमि आपका आह्वान कर रही है...

➢➢ मधुबन के भी फूल खिले है

➳ _ ➳ अनुभव कीजिये की आप मधुबन में ही हैं..

➢➢ धरती जागी, अम्बर जागा..

➳ _ ➳ इस समय पूरे वायुमंडल में अद्भुत चेतना का संचार होता है...

➳ _ ➳ चारों तरफ सकारात्मक ऊर्जा होती है...

➢➢ डाल डाल पर पंछी बोले,

➳ _ ➳ कल्प वृक्ष के पंछी हमें पुकार रहे हैं

➢➢ कानो में अमृत रस घोले.....

➳ _ ➳ परमात्म पेम का अलार्म हमें अमृतवेला स्वतः हो उठा देता है...

➢➢ प्रभु मिलन का यही समय है...

➳ _ ➳ किसी भी सूरत में अमृतवेला मिस करने की छुट्टी बाबा ने नहीं दी है...

→ अगर सेवाओं की वजह से अमृतवेला मिस जो रहा है तो ऐसी सेवाओं का कोई फायदा नहीं है...

- उसकी सेवाओं के लिए उसी की श्रीमत का उल्लंघन कर रहे हैं
- ऐसी सेवा उसे पसंद नहीं

➳ _ ➳ सबसे पहले

→ अमृतवेला रेगुलर करो

→ अमृतवेला को शक्तिशाली बनाओ

➢➢ ब्रह्म मुहूर्त है जागो

➳ _ ➳ भक्ति मार्ग में भी गायन है की ब्रह्म मूहत के समय देवतायें विचरण करते हैं

➢➢ सोवत है सो खोवत है

➳ _ ➳ अगर अमृतवेला सो रहे हैं... :-

→ तो रात को सोने की विधि गलत है...

→ या फिर कोई और सूक्षम अवज्ञा की है

→ हम खो देते हैं :-

- अतीन्द्रिय सुख
- वरदान
- कल्प कल्प का भाग्य
- अनुभूतियाँ
- सुंदर समय
- अद्भुत प्रेरणाएं
- संतुष्टता का भाव

➳ _ ➳ धर्मराज का दंड है :-

→ अमृतवेला मिस होना

→ अतीन्द्रिय सुख से वंचित हो जाना

➢➢ जागत है सो पावत है .....

➳ _ ➳ इसी समय हम कल्प कल्प का भाग्य बना सकते हैं

➢➢ बाबा की प्यारी वाणी सुन

➳ _ ➳ बाबा का प्यार अनुभव करने का यही समय है

➢➢ बाबा की मीठी वाणी सुन

➳ _ ➳ भगवान से बातें करने का यही समय है